सड़ रही लाशों का मंगलवार को भी नहीं हुआ अंतिम संस्कार

# केदारघाटी : लाशों को मुखाग्नि का इंतजार

शेषमणि शुक्ल

**केदारनाथ** मंदिर परिक्षेत्र में पड़े सैकड़ों शवों को मंगलवार को भी मुखाग्नि नसीब नहीं हुई। जबकि सरकार ने ऐलान किया था कि सोमवार से लाशों का सामूहिक अंतिम संस्कार शुरू कर दिया जाएगा। शवों का अंतिम संस्कार कराने के लिए भले ही रेस्क्यू आपरेशन में लगी एनडीआरएफ की टीम दिन भर मशक्कत करती रही, लेकिन खराब मौसम के कारण उसके हौसले भी पस्त हो गए। सबसे दुखद स्थिति यह रही कि अंतिम संस्कार का सामान पहुंचाकर लौट रहा एयरफोर्स का एक हेलीकाप्टर भी दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

## डॉक्टर और पुलिसकर्मी पहुंचे, नहीं पहुंचा सामान

जंगल चट्टी से लेकर केदारनाथ मंदिर परिक्षेत्र में नौ दिनों से पड़े शवों का अंतिम संस्कार करने के सारे प्रयास मंगलवार को भी विफल हो गए। सामूहिक दाह संस्कार की प्रक्रिया सोमवार को ही शुरू होनी थी, लेकिन न तो मौसम ने साथ दिया और न ही हालात ने। रेस्क्यू आपरेशन में लगा पूरा तंत्र खराब मौसम के आगे घुटने टेकने को मजबूर हो गया। हालांकि केदार घाटी में डॉक्टरों और पुलिस कर्मियों को पहुंचाने में एनडीआरएफ की टीम कामयाब रही, लेकिन घाटी में उतरे पुलिसकर्मी शाम तक दाह संस्कार के लिए लकड़ी और अन्य जरूरी सामानों का इंतजार ही करते रहे। मौसम खराब होने के कारण लकड़ी और अंतिम संस्कार में लगने वाले जरूरी सामान घाटी में नहीं पहुंच सका।

हालांकि घाटी में पहुंचे डॉक्टरों ने लाशों के डीएनए नमूने लेने का कार्य शुरू कर दिया है वहीं पुलिसकर्मी पंचनामा तैयार करने में जुट गए हैं। उधर कार्यवाहक महानिदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डा.जेएस जोशी ने बताया कि केदारघाटी में शवों के दाह संस्कार के सारे इंतजाम कर दिए गए हैं। जौलीग्रांट अस्पताल से फोरेंसिक विभाग की टीम, 9 डाक्टर, पुलिस और प्रशासनिक अफसरों की टीम मौके पर पहुंच गई है।

## बचे लोगों पर महामारी का साया

जलप्रलय से केदारघाटी में बर्बाद हुए सड़कों के बाद अब जिंदगियां भी दांव पर लग गई हैं। लाशों के सड़ने से फैल रही बदबू और बारिश से शवों के टुकड़े जलस्रोतों में बहकर आने से पूरे क्षेत्र में महामारी फैलने लगी है। स्थिति यह है कि सोनप्रयाग से लगे रामपुर और सीतापुर के साथ ही कई अन्य गांवों में भी डायरिया फैलने लगी है। हालांकि डॉक्टरों की टीम महामारी रोकने के लिए क्षेत्र में डटे हुए हैं। मंगलवार को भी स्थानीय लोगों के साथ ही घाटी से जिंदा लौटकर आ रहे यात्रियों को दवाइयां दी गई। वहीं घाटी से लौट कर आने वाले तीर्थयात्रियों को कहना है कि जिस तेजी से लाशें सड़ रही है और क्षेत्र में बदबू फैली हुई है उससे नहीं लगता है कि स्थिति नियंत्रण में है। हालांकि प्रभावित क्षेत्रों को महामारी से बचाने के लिए बड़ी मात्रा में ब्लीचिंग पाउडर, चूना और फिनायल मंगलवार को भी भेजा गया।